भारतीय जनता पार्टी

(केन्द्रीय कार्यालय)
11, अशोक रोड नई दिल्ली – 110001
फोन नं. : 23005700; **फैक्स** : 23005787

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं सांसद श्री प्रकाश जावडेकर द्वारा
बुधवार, 20 अगस्त, 2008 को जारी प्रेस वक्तव्य

विगत एक सप्ताह के दौरान जम्मू–कश्मीर में अनेक बड़ी घटनाएं घटी हैं, जिन पर राष्ट्र को गम्भीरता से ध्यान देने की आवश्यकता है। **सबसे पहले,** अलगाववादियों की लगातार धमकियों के कारण घाटी से गैर–कश्मीरी मजदूरों का भारी संख्या में पलायन हुआ है। सरकार ऐसी धमकी देने वाले अलगाववादियों के विरूद्ध सख्ती बरतने के बजाय इन गैर–कश्मीरी मजदूरों को घाटी से बाहर ले जाने के लिए अतिरिक्त बसों की व्यवस्था कर रही है। इससे भी बुरी बात यह है कि सरकार ने स्वयं 1000 से अधिक उन सरकारी कर्मचारियों को कश्मीर से वापस भेज दिया है, जो जम्मू में रहते है। सैकड़ों की तादाद में ऐसे गैर–कश्मीरी छात्रों को भी घाटी छोड़ने के लिए विवश कर दिया है, जो इंजीनियरिंग तथा डॉक्टरी की पढ़ाई कर रहे हैं। **दूसरे,** 15 अगस्त को हजारों स्थानों पर भारत के राष्ट्रीय ध्वज को जलाया गया और केन्द्रीय गृह सचिव ने इस घटना को कैजुअल बताकर देश को आघात पहुंचाया। **तीसरे,** आतंकवादियों ने 12 और 13 अगस्त, 2008 को यह मांग करते हुए **उरी** पावर प्लांट पर हमला कर दिया कि यहां की बिजली घाटी के बाहर देश के अन्य भागों में नहीं पहुंचनी चाहिए। **चौथे,** स्वतंत्रता दिवस पर ब्लैक आउट किया गया और इससे भी अधिक हैरत में डालने वाली बात यह है कि सरकारी भवनों में भी रोशनी न करते हुए ब्लैक आउट मनाया गया। **पांचवे,** जो सैकड़ों ट्रक घाटी में आवश्यक वस्तुएं पहंचाने के लिए जा रहे थे उनके ड्राइवरों और कंडक्टरों पर हमले किए गए। उपलब्ध नवीनतम आंकड़ों से अलगाववादियों के इस झूठे हौआ का का पूरी तरह पर्दाफाश को गया है कि घाटी के विरूद्ध तथाकथित **"आर्थिक नाकेबंदी"** की जा रही है। जुलाई, 2007 में भेजे गए 2000 ट्रकों की तुलना में जुलाई, 2008 में 2300 ट्रक घाटी में गए थे।

कांग्रेस नीत संप्रग सरकार की अदूरदर्शिता और राजनैतिक इच्छा की कमी के कारण जम्मू–कश्मीर में स्थिति बद से बदतर होती जा रही है। सरकार की सुस्पष्ट नीतिगत दिशाहीनता ने स्थिति को इस बदहाली में लाकर छोड़ दिया है।

भारतीय जनता पार्टी मांग करती है कि श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड भूमि विवाद का बातचीत द्वारा यथाशीघ्र समाधान किया जाए। इस बारे में जितना अधिक विलंब होगा, देश की अखंडता को उतना ही अधिक नुकसान पहुंचेगा। सरकार को राष्ट्रवादी तत्वों को समर्थन देना चाहिए तथा अलगाववादी ताकतों के दबाव में नहीं झुकना चाहिए।

भाजपा यह मांग भी करती है कि भारत सरकार पाकिस्तान द्वारा भारत के अंदरूनी मामलों में किए जा रहे लगातार हस्तक्षेप के विरूद्ध अपना सख्त विरोध दर्ज करे। पाकिस्तान नेशनल एसेंबली का जनमत संग्रह की मांग करने वाला प्रस्ताव पूरी तरह अस्वीकार और भर्त्सना करने योग्य है। जब भारत ने राष्ट्रपति मुशर्रफ के त्यागपत्र को उनका अंदरूनी मामला बताते हुए कोई प्रतिक्रिया व्यक्त नहीं की है तब पाकिस्तान को भी इसी प्रकार का रवैया अपनाना चाहिए।

भारतीय जनता पार्टी कठोर से कठोर शब्दों में अरूंधति रॉय की गैर जिम्मेदाराना तथा राजद्रोहात्मक टिप्पणी की निंदा करती है और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करती है। जब अरूंधती रॉय यह कहती हैं कि कश्मीर को भारत से आजादी की और भारत को कश्मीर से आजादी की जरूरत है तब इस बारे में भाजपा का जवाब है कि भारत कश्मीर के बिना नहीं रह सकता, बल्कि अरूंधति रॉय के बिना रह सकता है।

भारतीय जनता पार्टी ने देशभर में लाखों लोगों को लामबंद किया है, जो 21 अगस्त 2008 को संप्रग सरकार की श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड के मुद्दे संबंधी नीतियों के विरूद्ध विरोध प्रदर्शित करते हुए अपनी गिरफ्तारियां देगें। भाजपा अपनी मांग दोहराती है कि श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड को भूमि तत्काल वापस की जाए।

(श्याम जाजू)
मुख्यालय प्रभारी